पाठ्यक्रम

कक्षा : बारहवीं

विषय : संस्कृत

समय : 3 घण्टे

लिखित =80

आन्तरिक मूल्यांकन = 20

कुल अंक=100

- **प्रश्नपत्र में कुल 13 प्रश्न होंगे।**
- **प्रश्न पत्र में तीन भाग (क से ग तक) होंगे ।**

भाग – क

अति लघूत्तर प्रश्न (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

प्रश्न–1 में (i) से (x) तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे । प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा ।ये प्रश्न एक शब्द से एक वाक्य तक के उत्तरों वाले अथवा हाँ/नहीं अथवा सही/गलत अथवा बहुवैकल्पिक उत्तरों वाले, किसी भी प्रकार के हो सकते हैं ।यह प्रश्न पाठ्यक्रम से ही पूछे जायें।

(i) से (ii) तक शब्द रूप (पुल्लिग ,स्त्री लिंग तथा नपुंसकलिंग) से सम्बन्धित दो वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे ।

(iii) से (iv) तक धातुरूप (लट्लकार, लोट्लकार्,लङ्लकार् , लृट्लकार विधिलिङ् लकार,) से सम्बन्धित दो वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे ।

(v) से (vi) तक समास तत्पुरुष (सप्तमी विभिक्त तक) नञ्, अलुक से सम्बन्धित दो वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे

(vii) से (viii) तक कृदन्त प्रत्यय से सम्बन्धित दो वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे

(ix) से (x) तक अलंकार/छन्द से सम्बन्धित दो वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे

भाग –ख

(पाठ्य पुस्तक के 1 से 19 तक पाठ)

2 गद्यांशों का हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में अनुवाद ।

3 पद्यों का हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में प्रसंग सहित अर्थ ।

4 पाठों के अभ्यासों में से हिन्दी में प्रश्न ।

5 पाठों के अभ्यासों में से संस्कृत लघु प्रश्न ।

6 पाठों के अभ्यासों में से संस्कृत शब्दों का वाक्यों में प्रयोग ।

अथवा

व्यावहारिक संस्कृत शब्दों का हिन्दी में अनुवाद ।

7 पाठों के अभ्यासों में से यथानिर्दिष्ट परिवर्तन ।

8 प्राचीन लेखकों/कवियों का साहित्यिक परिचय ।

भाग–ग
(व्याकरण भाग)

9 (क) शब्द रूप : (पु.) गो, पितृ , राजन् , चन्द्रमस् , ।
(नपुं.) मित्र, अक्षि, पयस् ।
(स्त्री.) बाला, स्त्री, वधू, ।

(ख) धातु रूप : (लट्लकार, लोट्, लङ्, विधिलिङ्, लृटलकार्)
भ्वादिगण : (परस्मैपद) भू, व्रज्, खाद् ,घ्रा ।
अदादिगण : (प.) अस् , हन् ।
चुरादिगण : (प.) दण्ड् ।
तनादिगण : (प.) कृ ।
क्रयादिगण : (प.) ज्ञा , ग्रह् ।

10 कारक : अशुद्ध– शुद्ध वाक्यों पर आधारित ।

11 समास : तत्पुरुष (सप्तमी विभिक्त तक) नञ्, अलुक् ।
अथवा
प्रत्यय: कृदन्त प्रत्यय- तव्यत् , अनीयर् , यत् , ल्युट् , तुमुन् ।

12 **अलंकार: और छंद –**
(i) शब्दालंकार – अनुप्रास, यमक।
(ii) अर्थालंकार – रूपक, उत्प्रेक्षा, उपमा, अर्थान्तरन्यास।
अथवा
छन्द :- अनुष्टुप् , वंशस्थ, मालिनी, शिखरिणी, पंचचामरम् , वसन्ततिलका ।

13 **निबन्ध** : नीचे लिखे विषयों पर संस्कृत में सरल निबन्ध (लगभग 100 शब्दों में)
सत्संगति, परोपकार:, आदर्श – छात्र:, मम प्रिय– पुस्तकम्, कश्चिद् महापुरुष:, कश्चिद् उत्सव:, समाचार पत्राणां लाभा:।
अथवा
हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद (1 से 15 अभ्यास तक)

निर्धारित पाठ्य पुस्तक : संस्कृत सौरभम्– 12 पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित ।